NAAC ACCREDITED WITH 'A' GRADE

BHAGWAN AADINATH COLLEGE OF EDUCATION
MAHARRA-LALITPUR

BACE

SECURE YOUR FUTURE

प्रवेश विवरणिका

भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन

Affiliated to Bundelkhand University Jhansi & Approved By NCTE

महर्रा–ललितपुर (उ0प्र0)

+91 85458 44444, +91 9453940262, +91 9415508353

www.bacelar.org   www.bacelar.org   bhagwanaadinath686@gmail.com

National Highway 44, Jhansi-Lalitpur Highway, Village Maharra, Dist- Lalitpur (U.P.) 284403

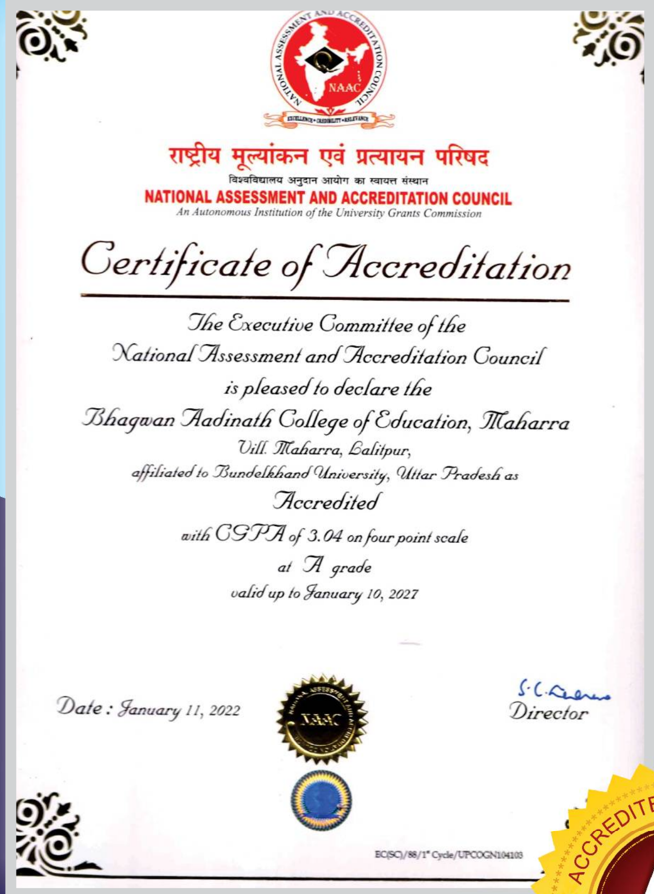

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
is pleased to declare the
Bhagwan Aadinath College of Education, Maharra
Vill. Maharra, Lalitpur,
affiliated to Bundelkhand University, Uttar Pradesh as
Accredited
with CGPA of 3.04 on four point scale
at A grade
valid up to January 10, 2027

Date : January 11, 2022

Director

EC(SC)/88/1st Cycle/UPCOGN104103

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Quality Profile

Name of the Institution : Bhagwan Aadinath College of Education, Maharra
Place : Vill. Maharra, Lalitpur, Uttar Pradesh

Criteria	Weightage (W_i)	Criterion-wise Weighted Grade Point ($Cr\ WGP_i$)	Criterion-wise Grade Point Averages ($Cr\ WGP_i / W_i$)
I. Curricular Aspects	100	345	3.45
II. Teaching-Learning and Evaluation	350	1000	2.86
III. Research, Innovations and Extension	100	310	3.10
IV. Infrastructure and Learning Resources	100	361	3.61
V. Student Support and Progression	130	430	3.31
VI. Governance, Leadership & Management	092	218	2.37
VII. Institutional Values and Best Practices	100	292	2.92
Total	$\sum_{i=1}^{7} w_i = 972$	$\sum_{i=1}^{7} (Cr\ WGP_i) = 2956$	

$$\text{Institutional CGPA} = \frac{\sum_{i=1}^{7}(Cr\ WGP_i)}{\sum_{i=1}^{7} W_i} = \frac{2956}{972} = \boxed{3.04}$$

Grade = A

Date : January 11, 2022

Director

- This certification is valid for a period of *Five* years with effect from January 11, 2022
- An institutional CGPA on four point scale in the range of 3.51 - 4.00 denotes A++ grade, 3.26 - 3.50 denotes A+ grade, 3.01 - 3.25 denotes A grade, 2.76 - 3.00 denotes B++ grade, 2.51 - 2.75 denotes B+ grade, 2.01 - 2.50 denotes B grade, 1.51 - 2.00 denotes C grade
- Scores rounded off to the nearest integer

EC(SC)/88/1st Cycle/UPCOGN104103

ACCREDITED WITH GRADE
A
NAAC

ACCREDITED WITH GRADE

A

NAAC

B.A. | **B.Com.** | **B.Sc.** | **M.A.**

B.Ed. | **B.P.Ed.** | **D.El.Ed.**

NAAC ACCREDITED WITH 'A' GRADE

Bhagwan Aadinath College of Education

(Approved by NCTE & Affiliation to Bundelkhand University, Jhansi)

Village Maharra, Post- Ronda, Dist- Lalitpur (U.P.) 284403

ADMISSION FORM

Registration No.		T.C.	C.C.	Migration	Entrance Test Roll No.	Affidavit
Form No.						

Paste Here New Passport Size Photo

Programme / संकाय .... Semester / Year ....

Student's Name

छात्र/छात्रा का नाम

Father's Name

पिता का नाम

Mother's Name

माता का नाम

Date of Birth Category

Mobile Whatsapp

Permanent Address

स्थायी पता Pincode

Aadhar Card No.

Class	Board Name	Roll No.	Passing Year	Obt. Mark	Total Mark	%
10th						
12th						
Graduation						

घोषणा पत्र

मैं शपथपूर्वक घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा प्रवेश आवेदन पत्र में भरी गयी समस्त प्रविष्टियाँ पूर्णतय: सही व सत्य हैं। इसमें किसी प्रकार की त्रुटि नहीं है, भविष्य में त्रुटि पाये जाने पर समस्त जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।

हस्ताक्षर अभिभावक

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा

संदेश

पूज्य आचार्य श्री एवं पिताजी के चरणों में सादर नमन।
हमारे पूज्य पिता स्व. श्री कमल कुमार जैन जी का स्वप्न था कि उनकी जन्म एवं कर्मस्थली ललितपुर में ऐसा शिक्षण केन्द्र स्थापित हो, जो उनके सपनों को पूरा कर सके ये विचार उन्हें सदा झंझोड़ता रहा, कि यहां के बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु अन्यत्र जाना पड़ता है वे चाहते थे कि यहां के बच्चे भी अपना सर्वाधिक विकास कर ललितपुर और देश का नाम रोशन कर सकें, और यही विचार इस महाविद्यालय की स्थापना की प्रेरणा बना।

महाविद्यालय परिवार के अथक प्रयासों एवं कर्मठता से उनका सपना पूर्ण हो सका, आज पिताजी हमारे बीच नही है लेकिन उनके आर्शीवचन हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहेगें।
भारतीय संस्कृति में गुरूजन राष्ट्र के मार्गदर्शक होते है और विद्यार्थी उस मार्ग पर चलने वाले पथिक। विद्यार्थी हमारे भविष्य की स्वर्णिम रेखाऐं है दृढ़ संकल्प की अग्नि उन्हें कुंदन बना सकती है यदि छात्र दृढ़ संकल्पित होकर अपने जीवन रथ को निर्धारित लक्ष्य की ओर ले जाये तो कोई कारण नही कि सफलता उनका आलिंगन न करें।

सभी को उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामनाऐं।

धन्यवाद।

आपका
प्रदीप कुमार जैन
प्रबन्धक
भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन

संदेश

भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन महर्रा ललितपुर के छठवां शैक्षिक सत्र पूर्ण होने एवं सातवां शैक्षिक सत्र के आगमन पर समस्त प्राध्यापकों छात्रों एवं ललितपुर वासियों का हार्दिक अभिनन्दन करते हुए सुखमय, शान्तिमय एवं मंगलमय जीवन की हार्दिक शुभकामनायें अर्पित करता हूँ।

आपको बताते हुए बडा हर्ष हो रहा है कि महाविद्यालय को इस वर्ष 2022 में राष्ट्रीय मूल्याकंन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) बैंगलोर द्वारा 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है जिससे महाविद्यालय, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी के एवं प्रदेश स्तर के साथ साथ राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष महाविद्यालयों में शामिल हो गया है।

यहां अनुशासन की उत्तम परम्परा है, महाविद्यालय निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विगत वर्षो में परीक्षा परिणाम लगभग शत-प्रतिशत रहा है इसका श्रेय प्रबंध समिति एवं महविद्यालय के सभी विद्धान प्राध्यापकों को जाता है। महाविद्यालय को जो प्रतिष्ठा मिली है उसको बनाये रखने का दायित्व हम सभी पर है छात्र-छात्रओं के सर्वांगीण विकास एवं उच्च स्तर की शिक्षा प्रदान करने के लिए हम दृढ़ संकल्पित है।

मेरा मानना है कि शिक्षा के साथ आध्यात्म का तत्व हर जीव में जितना विकसित किया जाएगा, जीवन भी उतना ही शक्तिशाली होगा। छात्र-छात्रायें आत्मविश्वास से ओतप्रोत रहे, क्योकि आज के युवा ही शक्तिशाली एवं निर्मल समाज का निर्माण करेंगे, हमे अपने को इस योग्य बनाना है कि हम अपने परिवार एवं समाज, देश के लिए उपयोगी साबित हों।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि शैक्षिक एवं रचनात्मक वातावरण के सृजन में आपका हार्दिक सहयोग लक्ष्य की ओर अग्रसर होने में प्रभावी होगा। सभी आगन्तुक छात्र-छात्राओं का महाविद्यालय में स्वागत है।

प्राचार्य
प्रो0 सुनील कुमार जैन
भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन,
महर्रा-ललितपुर

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.)

भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन ललितपुर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ का गठन 15 अगस्त 2019 को महाविद्यालय गुणवत्तापूर्वक शिक्षा एवं शैक्षिक वातावरण को ध्यान में रखकर किया गया। वर्तमान में डॉ. रोहित कुमार जैन कोऑर्डिनेटर के पद पर कार्यरत हैं महाविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं उच्च शिक्षा के मानकों के विस्तार के लिए निरन्तर प्रयासरत है इनकी अगुवाई में जनवरी 2022 में महाविद्यालय ने नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त किया है। समिति का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय में एक ऐसा शैक्षिक वातावरण तैयार करना है जो वर्तमान में तकनीकी शिक्षा के उपयोग से शैक्षिक वातावरण तैयार कर सके एवं आवश्यकता अनुसार उनमें वृद्धि कर सके। इसके लिए आईक्यूएसी निरन्तर प्रयासरत है।

डॉ. रोहित कुमार जैन
IQAC को-ऑर्डीनेटर

संचालित पाठ्यक्रम

कला संकाय बी0ए0 (6 सेमेस्टर)

कला वर्ग की शिक्षा को उद्देश्यपूर्ण एवं सार्थक बनाने के संकल्प के साथ महाविद्यालय में कला संकाय में उपलब्ध समस्त विषयों हेतु अर्ह एवं निपुण प्राध्यापक उपलब्ध है जिनकी सरल शिक्षा पद्धति एवं उचित मार्गदर्शन में छात्र/छात्राओं के अध्ययन की समुचित व्यवस्था है। गृह विज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र हेतु सम्पूर्ण आवश्यक सामग्री एवं उपकरणों के साथ व्यवस्थित प्रयोगशाला उपलब्ध है।

बी.ए. विषय- हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत
इतिहास,राजनीति शास्त्र,समाजशास्त्र,गृहविज्ञान।

योग्यता - 12वीं उत्तीर्ण उपलब्ध सीटें- 420

प्रवेश अर्हता : बी.ए. प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु छात्र /छात्रा ने किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा किसी भी वर्ग से उत्तीर्ण की हो।

विज्ञान संकाय बी. एससी. (6 सेमेस्टर)

महाविद्यालय के विज्ञान संकाय में बी. एससी. (गणित, जीव विज्ञान) उपलब्ध है। प्रत्येक विषय हेतु अर्हता (क्वालीफाइड) एवं कुशल प्राध्यापकों की सुलभ शिक्षण पद्धति के साथ विज्ञान संकाय में प्रत्येक प्रयोगात्मक विषय हेतु आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाओं की व्यवस्था है।

बी. एससी.- गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जीवविज्ञान।

योग्यता - 12वीं उत्तीर्ण उपलब्ध सीटें- 120

प्रवेश अर्हता : बी,एस,सी , प्रथम वर्ष (जीव विज्ञान) हेतु किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एंव जीव विज्ञान के साथ इण्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

वाणिज्य संकाय बी0काम0 (6 सेमेस्टर)

बी.कॉम. महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय में बी.कॉम, पाठ्यक्रम उपलब्ध है, प्रत्येक विषय के लिय अर्ह एवं कुशल प्राध्यापक उपलब्ध हैं।

उपलब्ध सीटें-60

प्रवेश अर्हता : बी.कॉम. प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु छात्र /छात्रा ने किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा किसी भी वर्ग से परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

एम0ए0 (4 सेमेस्टर)

मास्टर ऑफ आर्टस् 4 सेमेस्टर का पाठ्यक्रम है।

हिन्दी	60 सीट
समाजशास्त्र	60 सीट
इतिहास	60 सीट

विषय में प्रवेश दिया जाता है।

प्रवेश योग्यता – स्नातक में उत्तीर्ण

नोट: सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं एवं ई.डब्लू.एस. की श्रेणी में प्रमाण पत्र प्राप्त हैं उन्हें भारत सरकार द्वारा देयअतिरिक्त 10 प्रतिशत आरक्षण की सींटें उपलब्ध हैं।

बी0एड0 (2 वर्षीय पाठ्यक्रम)

महाविद्यालय में बी.एड. पाठ्यक्रम सत्र 2015-16 से संचालित है। बी.एड. पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर आयोजित राज्य स्तरीय बी. एड. प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों की मैरिट सूची के आधार पर प्रवेश होता है। प्रवेश परीक्षा के लिये आवेदन पत्र सामान्यत: मार्च/अप्रैल में सीधे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन भरे जा सकते हैं। प्रवेश परीक्षा का आयोजन राज्य सरकार द्वारा नामित विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि में सामान्यत: मई/जून में किया जाता है।

प्रवेश योग्यता – स्नातक में उत्तीर्ण   उपलब्ध सींटें– 100

प्रवेश अर्हता : बी.एड. प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु छात्र /छात्रा ने किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। (शासन द्वारा प्रवेश में देय आरक्षण)

बी0पी0एड0 (4 सेमेस्टर)

शारीरिक शिक्षा का कोर्स 4 सेमेस्टर का प्रोफेशनल कोर्स है इसमें खेल से जुडे विद्यार्थीयों बी0पी0एड0 एक सार्थक कोर्स। शारीरिक शिक्षा के शिक्षक बनने के लिए बी0पी0एड0 कोर्स अनिवार्य है।

प्रवेश योग्यता – स्नातक में उत्तीर्ण एवं खेल से सम्बन्धित प्रमाण पत्र। (शासन के नियमानुसार)

उपलब्ध सींटें– 100

प्रवेश अर्हता :बी.पी.एड. प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु छात्र /छात्रा ने किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। (शासन द्वारा प्रवेश में देय आरक्षण) राष्ट्रीय स्तर पर खेल में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों, विजेताओं को प्रवेश में आरक्षण उपलब्ध है।

डी0एल0एड0 (4 सेमेस्टर)

डी0एल0एड0(पूर्व नाम बी0टी0सी0) 4 सेमेस्टर का नियमित कोर्स है। प्राथमिक शिक्षक बनने के लिए डी0एल0एड0 कोर्स की अनिवार्यता है।

प्रवेश योग्यता – स्नातक में उत्तीर्ण   उपलब्ध सींटें– 100

प्रवेश अर्हता : डी.एल.एड. प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु छात्र /छात्रा ने किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सामान्य वर्ग के 50 प्रतिशत तथा ओ.बी.सी./एस.सी./एस.टी. वर्ग के लिए 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

महत्वपूर्ण निर्देश

1. महाविद्यालय में विद्यार्थी तभी प्रवेश करें जब वह अपने परिचय पत्र के साथ पूर्ण गणवेश में हो।
2. महाविद्यालय में पान-मसाला, सिगरेट, गुटका, तम्बाकू आदि का सेवन वर्जित है।
3. वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु छात्र-छात्राओं की कक्षा में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। अन्यथा की स्थिति में महाविद्यालय द्वारा लिया गया निर्णय सर्वमान्य होगा।
4. महाविद्यालय भवन, परिसर एवं परिसर के आस-पास अभद्रता, उद्दण्डता एवं अनुशासनहीनता करने वाले विद्यार्थियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
5. महाविद्यालय की सम्पत्ति, भवन, फर्नीचर, बिजली उपकरण आदि को क्षति पहुंचाने पर संबंधित छात्र-छात्रा को छतिपूर्ति देय होगी।
6. प्रत्येक विद्यार्थी महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कार्यालय कर्मचारियों एवं अपने सहपाठियों से नम्रतापूर्वक व्यवहार करेगा।
7. विद्यार्थियों को यदि कोई कठिनाई हो तो वह प्राध्यापक/प्राचार्य के समक्ष निर्धारित प्रणाली से शांति पूर्वक अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सकते है।
8. प्रत्येक विद्यार्थी परिसर में प्रवेश के पश्चात एवं निकास के पहले आवश्यक रूप से सूचना पटल देखें।
9. सूचनायें एकत्र करना छात्र-छात्राओं का दायित्व है, 'सूचना नहीं मिली' 'पता नहीं था' जैसे तर्कों को महाविद्यालय प्रशासन कोई मान्यता प्रदान नहीं करेगा।
10. महाविद्यालय प्रशासन की अनुमति के बिना बाह्य व्यक्तियों को महाविद्यालय परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।
11. उपर्युक्त समस्त नियमों की अवहेलना करने पर छात्र-छात्रा के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। जिसमें जुर्माना, महाविद्यालय प्रवेश पर कुछ दिनों की रोक या महाविद्यालय से निष्कासन सम्मिलित है। महाविद्यालय प्रशासन बिना कोई कारण बताये ऐसा करने के लिए स्वतंत्र है।
12. किसी भी नियम परिनियम एवं प्रावधान आदि की व्याख्या के सम्बंध में उ.प्र. शासन एवं बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी की परिनियमावली एवं समय-समय पर जारी शासनादेश एवं अध्यादेश सर्वोपरि होंगे।

प्रवेश फार्म के साथ संलग्नक-

- ❑ हाईस्कूल अंक -पत्र एंव प्रमाण पत्र (छाया प्रति)
- ❑ इंटरमीडिएट अंक पत्र (छाया प्रति)
- ❑ जाति प्रमाण पत्र (केवल अनु, जाति/ अनु. जनजाति एंव अन्य पिछड़ा वर्ग) (छाया प्रति)
- ❑ यदि अभ्यर्थी ने वर्तमान सत्र के पूर्व किसी सत्र में अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण की हो तो अंतराल की अवधि का नोटरी शपथ पत्र (मूल प्रति)
- ❑ स्थानातरण एंव चरित्र प्रमाण पत्र (मूल प्रति)
- ❑ आय प्रमाण पत्र , पहचान पत्र, निवास प्रमाण -पत्र

नोट:- प्रवेश के उपरांत बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी की मुख्य परीक्षा हेतू आवेदन पत्र भी ऑनलाइन छात्र- छात्राओ द्वारा ही भरा जायेगा तत्पश्चात ऑन लाइन आवेदन फॉर्म की हार्ड कॉपी संबंधित प्रपत्रों सहित महाविद्यालय में जमा करनी होगी अन्यथा की स्थिति में पूर्ण जिम्मोदारी छात्र- छात्रा की होगी।

मेरिटसूची का प्रकाशन-

मेरिट गणना आवेदन पत्र (ऑन लाइन) जमा करने की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद मेरिट सूची (प्रतीक्षा सूची सहित) सूचना पट् पर लगा दी जायेगी। मेरिट सूची में नाम आने पर प्रवेश आवेदन पत्र भरा जायेगा तथा मेरिट सूची में क्रमानुसार अभ्यर्थी सभी मूल प्रमाण पत्रों सहित प्रवेश समिति के समक्ष प्रस्तुत होगा। किसी मध्यस्थ द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के द्वारा प्रवेश नही दिया जायेगा।

तद्नुसार प्रवेशार्थी निधारिंत तिथि एंव समय पर उपस्थित होकर प्रवेश समिति से प्रवेश शुल्क आदि जमा करने का निर्देश प्राप्त करेगें।

नोट - यदि चयनित अभ्यर्थी प्रवेश - समिति द्वारा निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रवेश नही लेते तो उसी समय उनकी सीट अगले क्रम के अभ्यर्थी का दे दी जायेगी। किसी भी स्थिति में तिथि अथवा समय को बढ़ाया नही जायेगा।

सांस्कृतिक गतिविधियां एवं खेलकूद

छात्र/ छात्राओ के बौद्धिक एंव शारीरिक विकास हेतु महाविद्यालय कटिबद्ध है। महाविद्यालय के स्थापना दिवस 02 नबम्वर (पुण्य तिथि श्री कमल कुमार जैन) के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में एक सप्ताह तक खेलकूद एंव सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया जाता है। जो कि छात्र/ छात्राओ में छिपी प्रतिभाओं को उजागर करने मे सहायक होती है।

प्रसार व्याख्यान माला

छात्र/ छात्राओं के बहुमुखी विकास हेतु प्रसार व्याख्यान माला के अंर्तगत विभिन्न विषयो के मर्मज्ञ विद्वानो , बुद्धिजीवियो के साथ महाविद्यालय में विचार गोष्ठियों, सेमिनार, सिम्पोजियम का आयोजन होता है। गांधी जयंती,राष्ट्रकवि जयंती,रविदास जयंती, शिक्षक दिवस, झण्डा दिवस, कौमी एकता सप्ताह, वन्यवाणी सप्ताह, आदि निष्ठापूर्वक मनाये जाते है। साहित्यिक, सांस्कृतिक एंव नैतिक दृष्टियो से विभिन्न अवसरो पर लेखन, वाचन, भाव, अभिनय,एंव नाना प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। जिसमें निबंध, भाषा विचार, गोष्ठी सुलेख चार्ट, बंधेज, अल्पना, मेहंदी, वृक्षारोपण नारे, पाक कला, पुष्प सज्जा, नाटक, एंकाकी,नृत्य आदि मुख्य है।

कैरियर गाइडेंस एवं रोजगार सूचना

छात्र- छात्राओं में स्पर्धा की भावना जागृत करने तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओ में सम्मिलित होने की प्रेरणा देंने के उद्देश्य से समितियाँ गठित है। समिति के सदस्यो द्वारा छात्र-छात्राओ को विभिन्न सेवाओं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञो को महाविद्यालय में आमंत्रित कर छात्र- छात्राओ को सलाह के अवसर भी उपलब्ध करायें जातें है। समिति प्रभावशाली, इच्छुक तथा योग्य छात्र- छात्राओं को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहन व उनका मार्गदर्शन करती है तथा Earn while you learn के सिद्धांतो पर चलने की प्रेरणा देते हुये रोजगार से भी अवगत कराती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाई कार्यरत है। इस योजना का उद्देश्य छात्र/छात्राओ में समाज सेवा की भावना का विकास , नेतृत्व की क्षमता, आत्मविश्वास, उत्पन्न करना एंव ग्रामीण परिवेश से परिचित करना है। इस योजना के अंर्तगत प्रतिवर्ष निकटवर्ती ग्रामीण अंचलो में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। तथा 120 घंटो का सामान्य कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाता है।

पुस्तकालय एंव वाचनालय

पुस्तकालय से प्रत्येक छात्र-छात्रा को दो पुस्तकालय पत्रक प्रदान किय जाते है। जिस पर वह पुस्तकें सात दिन के लिये निर्गत करवा सकते है। महाविद्यालय की लाइब्रेरी में 12000 से अधिक पुस्तके , जनरल्स,इनसाइक्लोपीडिया,एवं प्रतियोगी मासिक पत्रिकाएं उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त आनलाइन लाइब्रेरी की सुविधा भी उपलब्ध है। प्रत्येक विद्यार्थी को पृथक पृथक आई0 डी0 पासवर्ड उपलब्ध कराया जाता है जिससे वह inflinet.in पर जाकर लॉगिन कर आनलाइन ई-लाइब्रेरी की सुविधा का उपयोग कर सकता है।

महाविद्यालय में एक पृथक वाचनालय कक्ष की व्यवस्था है। जिसमें छात्र- छात्रायें विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं का अध्ययन कर सकतें हैं छात्र-छात्राओं में अध्ययन की अभिरूचि को जागृत करने एंव ज्ञान सम्बर्धन हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओ एंव प्रदर्शन आदि का आयोजन किया जाता है। वाचनालय सुविधा प्रत्येक कार्य दिवस को 10 बजे से कार्यालय समय तक उपलब्ध रहेगी।

एल0 एम0 एस0 (Learning Management System) - विद्यार्थीयों को आनलाइन के माध्यम से भी अध्ययन की सुविधा भी महाविद्यालय उपलब्ध कराता है।एल0एम0एस0 के माध्यम से विद्यार्थी शिक्षकों द्वारा महाविद्यालय में लिए गये लेक्चर के वीडिओं लेक्चर देख सकता है एवं नोट्स भी प्राप्त कर सकता है। इसके लिए प्रत्येक विद्यार्थी को लॉगिन आई0डी0 एवं पासवर्ड उपलब्ध कराया जाता है जिसके माध्यम से www.bacelar.org पर लॉगिन करके इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकता है।

छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार

महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त प्रत्येक वर्ग (अल्पसंख्यक, सामान्य,पिछड़ा वर्ग, एंव अनु. जाति एंव अनु. जनजाति) के छात्र-छात्राओं हेतु छात्रवृत्ति की विशेष सुविधा है। उ0प्र0 शासन/केन्द्र सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति के लिए महाविद्यालय में छात्रवृत्ति कमेटी के द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी को आवेदन के अवसर उपलब्ध कराये जाते है । इसके साथ साथ महाविद्यालय विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति उपलब्ध कराता है।

विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

छात्र- छात्राओं की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमो, गोष्ठियों, कार्यशालाओ, प्रतियोगिताओं, कला एवं विज्ञान प्रदर्शनीओं का आयोजन महाविद्यालय प्रशासन की देख–रेख में किया जाता है। इन कार्यक्रमो में भाग लेने हेतु इच्छुक छात्र–छात्रा कार्यक्रम प्रभारी से मिलकर अपना नामांकन अवश्य करा दें।

मूल्य परख कार्यक्रम (Value Added Program)–

वर्तमान समय में पाठ्यक्रम के अतिरिक्त कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों का विकास करना आवश्यक है इसी आवश्यकता को ध्यान में रखाते हुए महाविद्यालय ने निम्न मूल्य परख कार्यक्रम – (Value Added Program) संचालित कर रहा है–

Sr.No.	Value Added Program Name	Class	Duration (Hrs.)
1	Communication and Soft Skills Development	B.A-I	35 hrs
2	Orientation Program on uses of Food Science and Nutrition	B.A.-I	32 hrs
3	Computer Basic & MS Office	B.Com. I	30 hrs
4	Orientation program on uses of Chemistry Lab equipment & Chemical	B.Sc. I	30 hrs
5	Preparation of Teaching Learning Material and its uses of classroom Teaching	B.Ed. I	34 hrs
6	Active Life Style and Healthy Habits	B.P.Ed. Ist Semester	30 hrs
7	Program on teaching Home science Student to uses the Textiles and given the Knowledge	B.A. III	30 hrs.
8	Program on Enolate and Enol chemistry and its Derivatives Name reaction	B.Sc. III	30 hrs.
9	Innovative and Best Practices in Teacher Education	B.Ed.II	31 hrs.
10	Stress Management	B.P.Ed. IIIrd Semester	30 hrs.

महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार की जरूरत

जिले भर के महाविद्यालयों के सेवा योजना शिविरों में हुआ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

ललितपुर। शुक्रवार को महाविद्यालयों के राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरार्थियों ने शिविर आयोजित कार्यक्रमों के अंतर्गत स्वच्छता व बीमारियों से बचाव करने के लिए जागरूक किया। साथ ही सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। स्वास्थ्य के प्रति लोगों को प्रेरित किया।

गांव महर्रा स्थित भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन की राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन लैंगिक असमानता पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ प्रबंधक प्रदीप कुमार जैन, प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार जैन व डॉ. रोहित कुमार जैन ने संयुक्त रूप से किया। प्रबंधक कहा लैंगिक भेदभाव/असमानता किसी एक क्षेत्र, राज्य या देश से संबंधित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक समस्या है और शिक्षा ही एक ऐसा महत्वपूर्ण साधन है, जो लैंगिक असमानता को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

प्राचार्य ने कहा कि लैंगिक भेदभाव एक सामाजिक बुराई है, जिसे दूर करना अत्यंत आवश्यक है। छात्र निहाल कुशवाहा ने कहा कि महिला सशक्तीकरण का अर्थ महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। छात्रा प्रिंसी यादव ने बताया कि वर्तमान समय में शिक्षा द्वारा लैंगिक

भगवान आदिनाथ कॉलेज में हुए शिविर में खाना पकाते छात्र छात्राएं। -संवाद

दहेज प्रथा पर गोष्ठी का आयोजन हुआ

महरौनी में कैंप में मौजूद छात्र-छात्राएं।

महरौनी। स्वर्गीय रविंद्रनंद बड़ौनियां महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर तीसरे दिन ग्राम पड़वा में महिला शिक्षा और दहेज प्रथा पर गोष्ठी का आयोजन हुआ। छात्र-छात्राओं में ग्रेसी सिंह ,निकिता कुमारी,नेहा आदि ने गीत और भाषण के माध्यम से अपने विचार रखें। प्राचार्य व एनएसएस प्रभारी डॉ. प्रकाश सिंह ने महिला शिक्षा और समाज में दहेज उन्मूलन के बारे में कई महत्वपूर्ण बातें बताई। सहायक प्रभारी धर्मेंद्र कुमार सेन ने महिला सशक्तिकरण और दहेज को सामाजिक बीमारी बताया। विभागाध्यक्ष हरिहर मोहन तिवारी ने कहा आधुनिकता में दहेज एक अभिशाप है और आजकल इसमें जितना हाथ पुरुषों का रहता है उतना ही महिलाओं का भी रहता है। इस मौके पर प्रियंका श्रीवास्तव, लखन लाल त्रिपाठी, भरत चढार, सलमान, संजीव कुशवाहा मौजूद रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव के बारे में बताया

ललितपुर। पाली स्थित छत्रपति शिवाजी एमएसडी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों के विशेष शिविर के छठवें दिन सहरिया बस्ती व भौंता में आजादी का अमृत महोत्सव पर गोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें कार्यक्रम अधिकारी नरेश कुमार निरंजन ने कहा यह महोत्सव दांडी यात्रा दिवस 12 मार्च 2021 को शुरू किया गया था, आजादी के 75 वर्ष को उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश कुमार बबेले ने कहा ये आजादी का अमृत महोत्सव 15 अगस्त 2022 तक संपूर्ण भारत में भारतीयों को 75 वर्ष के भारत की यात्रा से

छत्रपति शिवाजी एमएसडी पाली के छात्र छात्राएं साफ सफाई करते हुए।

मेडिकल
अन्य
दाद, खाज, खुजली सूखा एक्जिमा व अन्य

आशीष अहिरवार आदि उपस्थित रहे।

जनसंख्या नियंत्रण के लिए किया जागरूक

अमर उजाला ब्यूरो

ललितपुर। महर्रा स्थित भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एनएसएस के सात दिवसीय शिविर में शुक्रवार को जनसंख्या जागरूकता पर गोष्ठी का आयोजन हुआ। इस अवसर पर सेवार्थियों ने ग्राम बख्तर के ग्रामवासियों के घर जाकर उन्हें जागरूक किया।

बालिका में महाविद्यालय के सभागार में आयोजित गोष्ठी में प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार जैन ने कहा कि हमें समय से पहले ही इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक हो जाना चाहिए। सहायक प्रवक्ता अनुराग पटैरिया ने भी तमाम जानकारियां दीं।

आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. रोहित कुमार, विनोज कुमार बौद्ध, राकेश कटरा, अंकित नामदेव, अरूणा सिंह ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम अधिकारी अश्विनी जैन ने सभी का आभार जताया।

शिविर में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते अतिथि। - संवाद

आटोनॉमस यूनिवर्सिटी बनेगा भगवान आदिनाथ कॉलिज

- संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी झाँसी व चित्रकूट मण्डल ने जताई सँभावना
- कहा-भगवान आदिनाथ कॉलिज ऑफ एजुकेशन को नक द्वारा 'ए' दिये जाने से प्रदेश के विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

ललितपुर : महाविद्यालय में मौजूद संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी झाँसी व चित्रकूट मण्डल।

ललितपुर ब्यूरो : प्रदेश में नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त शिक्षण संस्थान भगवान आदिनाथ कालिज ऑफ ऐजुकेशन में संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश शासन से डॉ. ब्रह्मदेव एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी राजेश प्रकाश झाँसी एवं चित्रकूट मण्डल ने संस्थान का विजिट किया। उन्होंने सँभावना जताई कि संस्थान इसी प्रकार कार्य करता है तो पाँच वर्षों के अन्दर यह संस्थान प्रदेश का पहला ऑटोनॉमस (एक प्रकार डीम्ड यूनिवर्सिटी) बन सकती है। इस दौरान बुन्देलखण्ड डिग्री कॉलिज झाँसी के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण यादव भी मौजूद रहे।

संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी ने कहा कि अभी तक ज्ञात नहीं था कि बुन्देलखण्ड क्षेत्र में ऐसे भी महाविद्यालय है जो इतने उच्च कोटि के है। निश्चित रूप से महाविद्यालय ने नैक से 'ए' ग्रेड प्राप्त करके जनपद के साथ-साथ विश्वविद्यालय और प्रदेश का नाम बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय का अनुसरण करने के लिये अन्य महाविद्यालयों को भी कहेंगे। उन्होंने कहा कि संस्थान की आइक्यूएससी सेल ने जिस तरह यह कार्य किया है वह सराहनीय है। संस्थान एक रोल मॉडल के रूप में उभरकर सामने आया है और यह संस्थान अन्य संस्थानों को मेंटर (गाइड) के रूप में प्रतिनिधित्व करेगा, क्योंकि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रत्येक शिक्षण संस्थान को नैक का ग्रेड लेना जरूरी है। उन्होंने अपने नोट्स में लिखा 'संस्थान का इन्फ्रास्टक्चर एवं मैण्टीनेन्स उत्कृष्ट है जिससे संस्थान नैक की ए ग्रेड श्रेणी का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि यह कॉलिज अन्य महाविद्यालयों के लिये आइडियल के रूप में कार्य करेगा। शिक्षकों को प्राचार्य एवं आइक्यूएससी और संस्थान के प्रबन्धक प्रदीप कुमार को बहुत-बहुत बधाई दी एवं आने वाले समय में नैक के लिए आयोजित की जाने वाली कार्यशाला में मेण्टर के रूप में सम्मिलित होने की शुभकामनायें भी दी। उन्होंने महाविद्यालय के सभी शिक्षकों की योग्यता के बारे में जानकारी ली और सभी सातों क्राइटेरिया के कोर्डिनेटर्स और आइक्यूएसी कोर्डिनेटर्स डॉ. रोहित जैन से विभिन्न बिन्दुओं पर जानकारी ली। बुन्देलखण्ड डिग्री कॉलिज झाँसी के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण यादव ने कहा कि अब संस्थान में प्रदेश व अन्य राज्यों के सभी विद्यार्थी को संस्थान की उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्य का लाभ मिल सकेगा एवं जनपद के विद्यार्थी संस्थान में प्रवेश लेकर निश्चित रूप से वे अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह संस्थान जनपद में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को प्राथमिकता के साथ प्रवेश देगा। आइक्यूएसी को-ऑर्डिनेटर डॉ. रोहित कुमार जैन ने महाविद्यालय द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी दी एवं संयुक्त सचिव उत्तर प्रदेश शासन डॉ. ब्रह्मदेव एवं मण्डल उच्च शिक्षा अधिकारी राजेश प्रकाश द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दिये, जिन्हें सुनकर अतिथियों इनके कार्य की प्रशंसा की। अन्य शिक्षकों की योग्यता की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से संस्थान ए ग्रेड लायक ही है। उन्होंने शिक्षकों के पब्लिकेशन को भी देखा। संयुक्त सचिव ने बताया कि अब संस्थान के लिये प्रशासन से मिलने वाली ग्राण्ट (अनुदान राशि) के सभी रास्ते खुल गये हैं तथा इसका लाभ सीधे अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों व शिक्षकों को होगा। उन्होंनें डॉ. रोहित कुमार द्वारा लिखित पुस्तक 'आधुनिक भारत में शिक्षा का प्रसार' का विमोचन भी किया। संस्थान के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार ने आभार व्यक्त किया।

श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति किया लोगों को जागरूक

ग्राम बख्तर में स्वच्छता अभियान चलाते छात्र-छात्राएं। - संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

एनएसएस शिविर में विद्यार्थियों ने लिया भाग

ललितपुर। मंगलवार को गांव महर्रा स्थित भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय सेवा योजना की द्वितीय इकाई के शिविर में दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने गांव बख्तर में स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक प्रदीप कुमार जैन और प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार जैन ने श्रमदान कर किया। तत्पश्चात विश्व जल दिवस और राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान के अंतर्गत विचार गोष्ठी हुई। जिसमें प्रबंधक ने कहा स्वच्छता अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को कचरा मुक्त बनाकर वहां स्वच्छ जल की उपलब्धता को बढ़ाना है। प्राचार्य ने सभी को जल संचय एवं उसके सदुपयोग के बारे में जानकारी दी। बीएड प्रथम वर्ष की छात्रा अदिति कौशिक ने अपनी कविता 'पानी अगर नहीं तो जिंदगी फिर कहां, जिंदगानी अगर नहीं तो कहानी फिर कहां' के द्वारा अपने विचारों को रखा।

डॉ. रोहित कुमार जैन ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम अधिकारी अश्विनी कुमार जैन, प्रो. विनोद कुमार बौद्ध, राकेश कटरा, अरूणा सिंह, प्रो. अंकित नामदेव मौजूद रहे।

सार्वभौमिक तरीकों को अपनाए : प्रदीप जैन

स्वतंत्र समय, ललितपुर।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम के तहत भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन महर्रा में कार्यक्रम अधिकारी अश्विनी कुमार जैन के निर्देशन में जल संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्वयं सेवकों एवं सेविकाओं को महाविद्यालय में कार्यरत वाटर हार्वेस्टिंग प्लांट के बारे में व्यापक रूप से बताया गया इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक प्रदीप कुमार जैन प्राचार्य डॉ सुनील कुमार जैन ने दीप प्रज्वलन करके किया इस मोके पर प्रदीप कुमार जैन ने जल संरक्षण के प्रति जागरूकता की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भारत में जल संरक्षण के तरीकों को नहीं अपनाया गया तो बैंगलुरु दिल्ली और हैदराबाद चेन्नई सहित अन्य 20 शहर अगले कुछ वर्षों में भूजल से बाहर हो जाएंगे इस विकट स्थिति से बचने का एकमात्र उपाय पानी बचाने के सार्वभौमिक तरीकों को अपनाना है प्राचार्य डॉ सुनील कुमार जैन रसोई घर में जल संरक्षण के सरल उपायों पर चर्चा की चर्चा में उन्होंने कहा कि आरओ वाटर प्यूरीफायर के अपशिष्ट जल को कारों की धुलाई या अपने पौधों को पानी देने के लिए पुनः उपयोग करें इसी क्रम में डॉक्टर रोहित कुमार जैन ने ग्रे वॉटर रीसाइकलिंग के बारे में बताते हुए कहा कि ग्रे वॉटर रीसाइकलिंग रसोई के सिंह वाशिंग मशीन और शावर से उपयोग किए गए जल और अपशिष्ट जल को बचाने की एक विधि है जिसे बाद में शौचालयों में उपयोग के लिए पौधों को पानी देने के आदि के लिए पुनर नवीनीकरण किया जाता है इस पुनः चक्रण प्रणाली के उपयोग से घरेलू जल उपयोग 70व की कमी लाई जा सकती है अन्य वक्ताओं में राकेश कटरा अमरेंद्र कुमार लाल रामसेवक चंद्राकर निधि जैन ने अपने विचार व्यक्त किए ढ्कार्यक्रम में महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा कार्यक्रम का संचालन अश्विनी कुमार जैन ने किया।

महिलाओं को जरूर सीखने चाहिए आत्मरक्षा के गुर

अपराजिता के तहत भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन में हुई संगोष्ठी, छात्राओं को दिलाई गई शपथ

अपराजिता 100 MILLION SMILES

विस्तृत कवरेज हमारी साइट aparajita.amarujala.com पर भी देख सकते हैं।

अमर उजाला ब्यूरो

ललितपुर। अमर उजाला के अपराजिता के तहत महर्रा स्थित भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन में सोमवार को संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

प्रबंधक प्रदीप कुमार जैन ने कहा कि महिलाएं स्वयं में सशक्त हों और अपने आप को मजबूत बनाएं, तभी वह अपराजिता बन सकेंगी। उन्होंने कहा कि समाज का नकारात्मक माहौल हमारे लिए चुनौती है। उन्होंने नारी सशक्तीकरण को लेकर अमर उजाला की मुहिम की सराहना की। इस मौके पर छात्राओं ने महिला सुरक्षा कानून की जानकारी देकर महिलाओं को जागरूक करने का संकल्प लिया।

सहायक प्रवक्ता विनीता जैन ने कहा कि महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सीखने चाहिए। आत्मरक्षा के लिए किन-किन चीजों को अपने पास रखना चाहिए और उनका उपयोग समय आने पर कैसे करना चाहिए? आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ले सकती हैं। उन्होंने छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबर 112, 181, 1090 की जानकारी दी। किसी भी संदिग्ध या अप्रिय घटना का आभास होने पर इन नंबरों से हेल्प ली जा सकती है।

उन्होंने कहा कि लड़कियां महिलाएं खुद को कभी कमजोर ना समझें। बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. रोहित कुमार जैन ने कहा कि इस तरह के अभियान से महिलाओं में जागरूकता एवं अपने अधिकारों की रक्षा करने का साहस पैदा होगा। सहायक प्रवक्ता राकेश कुमार ने कहा कि हम महिलाओं के साथ वैसा ही व्यवहार करें, जैसा अपने परिवार की बेटियों और महिलाओं के साथ चाहते हैं। संचालन सहायक प्रवक्ता अंकित नामदेव ने किया। इस मौके पर तमाम लोग मौजूद रहे।

अपराजिता के तहत महिलाओं को जागरूक करने की शपथ लेतीं भगवान आदिनाथ कॉलेज की छात्राएं। -संवाद

छात्र-छात्राओं को संबोधित करते प्रोफेसर। -संवाद

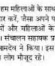

लड़कियों को स्वतंत्रता मिले तो वह हर मंजिल को पा सकती हैं। उन्हें निडर होकर आगे बढ़ना चाहिए तभी वह समाज के लिए कुछ कर सकेंगी। - खुशी ताम्रकार, बीए प्रथम वर्ष

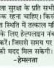

महिला सशक्तीकरण को लेकर अमर उजाला ने जो मुहिम शुरू की है, उस पर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में काम होना चाहिए। तभी महिलाएं जागरूक हो सकेंगी। -प्रियंका, बीएड प्रथम वर्ष

इस तरह की गोष्ठी ग्रामीण इलाकों में भी होनी चाहिए जिससे वहां की छात्राओं को कानून की जानकारी हो सके। जिससे वह अन्य महिलाओं को जागरूक कर सकें। -ललिता, बीएड द्वितीय वर्ष

बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा के प्रति सरकार काम कर रही है। हम लोगों का भी दायित्व है कि ये जानकारी आसपास की महिलाओं-छात्राओं को देकर जागरूक करें। -सोना, बीएड प्रथम वर्ष

महिला सुरक्षा के प्रति सभी को जागरूक रहना चाहिए। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल महिला सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नंबर पर सूचित करें। जिससे समय पर पुलिस की मदद मिल सकेगी। -हेमलता

महिला सुरक्षा के लिए बने हेल्पलाइन नंबर को याद रखना चाहिए। कभी भी कोई ऐसी स्थिति हो जिसमें उन्हें अपने या किसी अन्य के लिए खतरा लगे, तत्काल हेल्पलाइन नंबर पर सूचित करें। - शिवानी पांडेय, बीएड, प्रथम वर्ष

हर महिला को आत्मरक्षा की तकनीक सिखानी होगी

महाविद्यालय में महिला सुरक्षा हेतु सरकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार विषय पर सेमिनार हुआ आयोजित

अमर उजाला ब्यूरो

ललितपुर। पजारी स्थित पहलवान गुरुदीन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में शनिवार को मिशन शक्ति फेज 4.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा हेतु सरकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की प्रबंधक निदेशक डॉ. पूजा यादव ने कहा कि महिलाओं को कभी भी अपने आप को पुरुषों से कम नहीं समझना चाहिए। फिर चाहे वह मानसिक क्षमता की बात हो या शारीरिक बल की बात हो। प्राचार्य डॉ. सूफिया ने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से महिलाओं के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं से सभी को अवगत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी सप्ताह में एक दिन नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में बैठकर महिलाओं से जुड़ी समस्याओं का समय से निस्तारण करें। पुलिस विभाग की तरफ से महिला सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया जाए। बेटियों की सुरक्षा को लेकर सभी स्कूल कॉलेजों पर एंटी रोमियो स्क्वायड को सक्रिय किया जाए। एनसीसी लेफ्टिनेंट डॉ. वंदना याज्ञिक ने कहा कि पिछले कुछ सालों में महिलाओं के प्रति बढ़ते अत्याचारों को देखकर हम यह तो बिल्कुल नहीं कह सकते कि हमारे देश की महिलाएं पूर्ण रूप से सुरक्षित हैं। सबसे पहले हर महिला को आत्मरक्षा की तकनीक सिखानी होगी। इस मौके पर सहायक प्रवक्ता प्रकाश खरे, साधना नागल, रंजना श्रीवास्तव, सुषमा पटेल, लता जायसवाल, भूपेंद्र पंथ, जुनेद रजा, अनामिका, सोनिया , पूजा, शबनम, विमला, सरोज मौजूद रहीं।

मिशन शक्ति कार्यक्रम में मौजूद प्रोफेसर और विद्यार्थी। -संवाद

सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी प्राप्त करतीं छात्राएं। -संवाद

सरकारी योजनाएं महिलाओं तक पहुंचनी चाहिए

ललितपुर। भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शनिवार को मिशन शक्ति 4.0 के अंतर्गत महिलाओं से संबंधित सरकारी योजनाएं विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार जैन ने कहा कि सरकारी योजनाएं जब प्रत्येक जरूरतमंद महिला तक पहुंचेगी तभी सरकार का सपना सच होगा। आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ रोहित कुमार जैन ने योजनाओं के बारे में अवगत कराया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्रबंधक प्रदीप कुमार जैन, भावना सेन, मधु जैन आदि ने संबोधित किया। ब्यूरो

जयंती पर वीर सावरकर को किया याद

ललितपुर। पहलवान गुरुदीन महिला महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत राष्ट्रवादी, क्रांतिकारी वीर सावरकर की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थापक डॉक्टर पारसनाथ यादव, प्रबंध निदेशक डॉ. सौरभ यादव और प्राचार्य डॉ. सूफिया ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। प्राचार्य डॉ. सूफिया ने कहा कि वीर सावरकर क्रांतिकारी, लेखक, विचारक समाज सुधारक एवं भारतीय इतिहास के अमर योद्धा के रूप में जाने जाते हैं। इस मौके पर बीएड विभागाध्यक्ष रत्ना याज्ञिक, राघवेंद्र यादव, जगत झा, मुश्ताक खान, मुजफ्फर अली, सचिन पटेल मौजूद रहे।

बेटियों को समान अधिकार देना जरूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

एनएसएस शिविर में किया जागरूक

ललितपुर। सोमवार को ग्राम महर्रा स्थित भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वितीय इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया। जिसमें बेटी बचाओ अभियान के प्रति जागरूक किया गया।

शिविर का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रबंधक प्रदीप कुमार जैन व प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार जैन ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रबंधक ने कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' आज के समय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नारी को स्वयं आत्मनिर्भर होना जरूरी है। शिक्षा ही एक ऐसा अधिकार है, जिससे तरक्की के सभी रास्ते खुलते हैं। प्राचार्य ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हमारा समाज बेटा और बेटी के मध्य कोई भेदभाव न करे। बेटियों को बिना समान अधिकार दिए समाज और देश का समग्र विकास नहीं किया जा सकता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविका अदिति कौशिक ने बेटियों के उत्थान के संबंध में अपने विचार प्रकट किए। स्वयंसेवक अनस ने भी अपनी बात रखी। इस मौके पर शिक्षा संकाय के सहा. प्राध्यापक राकेश कुमार ने महिला शिक्षा पर जोर दिया।

इस दौरान प्रो. अरूणा सिंह, कार्यक्रम अधिकारी रामसेवक चंद्राकर, अंकित नामदेव, अश्विनी कुमार जैन व विद्यालय स्टाफ और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

एनएसएस शिविर का शुभारंभ करते प्रबंधक प्रदीप कुमार जैन और प्राचार्य।

छात्राओं ने रैली निकालकर किया यातायात नियमों के प्रति जागरूक

संवाद न्यूज एजेंसी

भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा किया गया कार्यक्रम

ललितपुर। सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं ने हाईवे से गुजरने वाले वाहन चालकों को जागरूक किया। इस दौरान वाहन चालकों से निर्धारित गति से वाहन चलाने व यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

रविवार को भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन में अध्यनरत छात्र-छात्राओं ने ग्राम महर्रा, राख पंचमपुर तिराहा, नदनवारा टोल प्लाजा के पास वाहन के चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए रैली निकाली। महाविद्यालय के प्रबंधक प्रदीप कुमार जैन ने कहा कि हाईवे पर वाहन चलते समय निर्धारित गति से वाहन चलाने का ध्यान रखना चाहिए। डॉ. सुनील कुमार जैन ने सुरक्षित यात्रा के लिए बाइक चालकों से हेलमेट का प्रयोग करने की बात कही।

डॉ. रोहित कुमार जैन ने भी सड़क सुरक्षा को लेकर अपने विचार रखे। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अश्विनी कुमार जैन के निर्देशन में छात्र-छात्राओं ने राहगीरों, वाहन चालकों को रोककर हेलमेट, सीट बेल्ट लगाने सहित वाहन संबंधी सभी कागजात साथ रखने की अपील की। छात्राओं ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करके हादसों से बचा जा सकता है। इसलिए सबको इनका ध्यान रखना चाहिए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ व छात्र-छात्राएं शामिल रहीं।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर लोगों को जागरूक करतीं छात्राएं। -संवाद